

SET NO - 04
QUESTION MODEL SET WITH ANSWER
INTER 2ND YEAR 2020

बहुविकल्पीय प्रश्न
सही विकल्प चुनें

1. आत्म का दर्पोवाद् की अवधारणा किसने दी ?
(क) सी. एच. कूले (ख) मैक्सवेबर (ग) कार्ल मार्क्स (घ) वॉर्ड

Ans - (क) सी. एच. कूले

2. श्रम विभाजन का सिद्धांत किसने दिया ?
(क) दुर्बेर्मि (ख) मैक्सवेबर (ग) कार्ल मार्क्स (घ) वॉर्ड

Ans - (ग) कार्ल मार्क्स

3. राज्य एक सीमित है, किसने कहा ?
(क) गार्नर (ख) आगवर्न (ग) मैकाइवर (घ) विलसन

Ans - (क) गार्नर

4. नियोजित औद्योगिकरण क्या है ?
(क) एक व्यवस्था (ख) एक घटना (ग) एक योजना (घ) इनमें सभी

Ans - (क) एक व्यवस्था

5. भारत का सबसे बड़ा जनजातीय समूह कौन सा है ?
(क) मुंडा (ख) संथाल (ग) भील (घ) गोंड

Ans - (ग) संथाल

6. सबसे ज्यादा औद्योगिकरण किस राज्य में हुआ ?
(क) झारखंड (ख) पंजाब (ग) महाराष्ट्र (घ) गुजरात

Ans - (ग) महाराष्ट्र

7. एडम स्मिथ ने कहा कि बाजार में काम करता है ?
(क) अदृश्य लाभ (ख) अदृश्य हाथ (ग) अदृश्य पैर (घ) अदृश्य लाभ

Ans - अदृश्य हाथ

8. ग्रामीण समाज की विशेषता कौन सी है ?

(क) धनी आबादी (ख) कृषि व्यवसाय (ग) श्रम विभाजन (घ) सभी

Ans - (ख) कृषि व्यवसाय

9. जनसंख्या की शक्ति का सर्वप्रथम प्रयोग किसने किया ?

(क) माथल्स (ख) सोरोकीन (ग) बार्कले (घ) गुडलाई

Ans (घ) गुडलाई

10. भारतीय अर्थ व्यवस्था का मॉडल किस प्रकार का है ?

(क) पूँजीवादी (ख) मिश्रित (ग) समाजवादी (घ) साम्यवादी

Ans - (ख) मिश्रित

11. पितृसत्ता से आप क्या समझते हैं ?

Ans - पितृसत्ता एक व्यवस्था है जो लैंगिक असमानता एवं शक्ति तथा हैसियत में भेदभाव की बुनियाद पर आधारित है। पितृसत्ता का अर्थ परिवार में महिलाओं और बच्चों पर पुरुषों का वर्चस्व होना है। शक्ति संरचना के सभी केन्द्रों पर पुरुषों का नियंत्रण रहता है।

12. भारत में महिला आंदोलन की विशेषताओं का वर्णन करें?

Ans - महिला आंदोलन की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं।

(i) महिला आंदोलन मूल रूप से महिलाओं के सामाजिक उत्थान के लिए कार्य करता है।

(ii) यह आंदोलन स्त्री पुरुष के बीच समानता तक ही सीमित है।

(iii) महिला आंदोलन के माध्यम से महिलाओं की राजनीतिक अधिक और पारिवारिक भागीदारी पर जोर दिया जाता है।

(iv) महिला आंदोलन का उद्देश्य महिलाओं में जागरूकता लाकर उन्हें सक्रिय बनाना है।

(v) महिला आंदोलन से तात्पर्य स्वतंत्र महिला या महिलाओं सभी बंधनों से मुक्ति दिलाना है।

13. औद्योगिकरण का सामाजिक जीवन पर प्रभाव बताइए ?

Ans → औद्योगिकरण का सामाजिक जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव डालता है। जो निम्नलिखित है।

(i) परिवार संस्था पर प्रभाव → औद्योगिकरण के फलस्वरूप संयुक्त परिवार विघटित होकर एककी परिवार के रूप बदल रहा है। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम, स्नेह, त्याग की भावना कम होती जा रही है।

(ii) स्त्रियों की स्थिति में परिवर्तन → औद्योगिकरण के फलस्वरूप अब महिलाएँ घर से बाहर काम कर रही हैं। नौकरी करने के कारण इन आर्थिक स्थिति अच्छी हो रही है। साथ स्वयं निर्णय लेने में सक्षम हो रही हैं।

(iii) नागरिक जीवन पर प्रभाव → औद्योगिक की उन्नति से सामाजिक जीवन पर विभिन्न प्रकार के प्रभाव पड़ रहे हैं। सामुदायिक भावना की कमी, समय का मूल्य बढ़ जाना, बीमारियों का बढ़ना, पारिवारिक नियंत्रण का अभाव, नैतिकता का निम्न स्तर, स्त्री पुरुषों की जनसंख्या में विषमता जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं।

14. सामाजिक परिवर्तन से आप क्या समझते हैं ?

Ans - सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया का संबंध सामाजिक संबंधों तथा अर्थव्यवस्था में होने वाले से परिवर्तन से है। मिलिन और मिलिन के अनुसार "सामाजिक परिवर्तन जीवन के स्वीकृत प्रकारों में परिवर्तन है। भले ही वे परिवर्तन भौगोलिक दूराओं में हुए हों या सांस्कृतिक साधनों पर जनसंख्या की रचना या सिद्धांतों में परिवर्तन से हुए हों, या प्रचार से हुए हों या समूह के ऊपर अविष्कार से हुए हों।"

15. भारत के प्रमुख कृषक आंदोलन का संक्षिप्त विवरण दीजिए ?

Ans - भारत के प्रमुख कृषक आंदोलन :-

(i) उत्तर प्रदेश → 1921-22 में एका कृषक आंदोलन एवं 1936 में निजाई बोल आंदोलन

(ii) बिहार → 1919 में नील की खेती के विरुद्ध कृषक आंदोलन

(iii) बंगाल → 1946 का तैमागा आंदोलन तथा 1967 का जनसलवाडी आंदोलन ।

(iv) गुजरात → 1920 का कर बंदी आंदोलन ।

(v) राजस्थान → 1913-15, 1917-22 व 1927-41 बिजौलिया आंदोलन

(vi) महाराष्ट्र - 1919-21 सतारा का कृषक आंदोलन

(vii) दक्षिण भारत - 1836-96 के मध्य का मौपलाह आंदोलन और 1930-51 का तेलंगाना आंदोलन, प्रमुख कृषक आंदोलन हैं ।

16. सामाजिक परिवर्तन में संविधान की भूमिका की विवेचना कीजिए ?

Ans - राज्य एक सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रमुख अभिकर्ता है। भारत जब आजाद हुआ तो यहाँ राज्य व्यवस्था का संचालन एक नये संविधान द्वारा होने लगा। नये संविधान में लोकतांत्रिक व्यवस्था, समतावादी मूल्यों, व्यक्तिगत स्वतंत्रता तथा धर्मनिरपेक्षता पर सबसे ज्यादा महत्व दिया गया है। संविधान की भूमिका एक अच्छे समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रत्येक नागरिकों के अधिकार तथा मानवीय मूल्यों की रक्षा की जाती है।

17. जाति एवं वर्ण के बीच अंतर स्पष्ट करें ?

Ans → जाति एवं वर्ण के बीच निम्नलिखित अंतर हैं।

जाति	वर्ण
(i) जाति एक बंद समूह है जो सामाजिक, धार्मिक एवं व्यवसायिक आधारों पर विभाजित होता है।	वर्ण व्यवस्था में व्यक्तियों के वर्गीकरण की व्याख्या अमूर्त के उत्पत्ति के आधार पर की जाती है।
(ii) जाति व्यवस्था में छूआछूत की भावना होती है।	वर्ण व्यवस्था में छूआछूत की भावना नहीं होती है।
(iii) जाति व्यवस्था में परिवर्तन असंभव है।	वर्ण व्यवस्था लचीली एवं परिवर्तनशील होती है।

18. ~~सामाजिक~~ मानव अधिकार क्या है ?

Ans - मानव अधिकार से अभिप्राय है मौलिक अधिकार एवं स्वतंत्रता से है। जिसके लिए सभी नागरिक हकदार हैं। अधिकारों के अंतर्गत विचारों की अभिव्यक्ति, कानून के सामने समानता, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों तथा शिक्षा एवं मानव जीवन के लिए अधिकार इन सभी को मानव अधिकार की श्रेणी में रखा जाता है।

19. सामाजिक सर्वेक्षण क्या है ?

Ans - सामाजिक सर्वेक्षण एक सहकारी क्रिया है। जिसमें एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र के अंदर आने वाली समुदायों और परिस्थितियों के अध्ययन के लिए इस प्रकार वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग किया जाता है। समाज की सामान्य क्रियाओं का ज्ञान प्राप्त होता है।

20. पर्यावरण आंदोलन में भारत सरकार के प्रयत्नों का स्पष्ट कीजिए ?

Ans - वर्तमान युग में पर्यावरण संबंधी आंदोलन ने एक राष्ट्रीय रूप ले लिया है। भारत सरकार द्वारा किए जाने वाले कुछ प्रयत्न निम्नलिखित हैं।

- (i) केन्द्र सरकार द्वारा एक राष्ट्रीय पर्यावरण न्यायाधिकरण की स्थापना किया गया।
- (ii) वन्य जीवों के संरक्षण के लिए 1972 में वन्य जीव सुरक्षा अधिनियम पारित किया गया।
- (iii) जल प्रदूषण को रोकने के लिए 1974 में जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम पारित किया गया।
- (iv) पर्यावरण आंदोलन को अधिक महत्वपूर्ण बनाने के लिए सरकार द्वारा पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम 1986 पारित किया गया।
- (v) सरकार ने संविधान में 42वां संशोधन करके पर्यावरण सुरक्षा को नागरिक के मूल कर्तव्य के रूप में शामिल किया गया।

21. अन्य पिछड़े वर्गों को अवशिष्ट श्रेणी क्यों कहा जाता है ?

Ans - एक लम्बे समय तक भारत में अन्य पिछड़े वर्गों को एक पृथक श्रेणी तो माना जाता रहा, लेकिन धीरे धीरे यह मानना भी प्रबल बनने लगी कि पिछड़े वर्ग का तात्पर्य आर्थिक रूप से दुर्बल लोगों से है, चाहे वे किसी भी जाति से संबंधित हों। जैसा कि आगामी विवेचन से स्पष्ट हो जायेगा अन्य पिछड़े वर्ग का तात्पर्य आर्थिक रूप से पिछड़े हुए लोगों से नहीं बल्कि उन जातियों से है, जो जाति व्यवस्था में निम्न स्थान पर होते हुए भी अनुसूचित जातियों नहीं हैं, तथा जो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हैं। इसलिए पिछड़े वर्ग को अवशिष्ट श्रेणी भी कहा जाता है।

22. ~~माल्थस~~ माल्थस के जनसंख्या सिद्धांत की (मान्यताएँ) की चर्चा कीजिए ?

Ans → माल्थस का जनसंख्या सिद्धांत निम्नलिखित महत्वपूर्ण मान्यताओं पर आधारित है।

- (i) माल्थस ने आर्थिक सम्पन्नता तथा संतानोत्पत्ति में घनिष्ठ तथा प्रत्यक्ष संबंध माना है।
- (ii) मनुष्य के जीवन निर्वाह के लिए भोजन आवश्यक है।
- (iii) माल्थस ने कामवासना तथा संतानोत्पत्ति में प्रत्यक्ष संबंध माना है।
- (iv) कृषि में उत्पत्ति हास नियम लागू होता है।

23. बाजार विनिमय की विशेषताओं को बताइए ?

Ans → बाजार विनिमय की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं।

- (i) क्रैता अपनी आवश्यकता की वस्तुएँ स्वरीदने के लिए विक्रेता के पास जाता है।
- (ii) विक्रेता अपनी वस्तुएँ मूल्य के लिए बेचता है ताकि वह अपनी आवश्यकता की दूसरी वस्तु भी स्वरीद सके।
- (iii) वस्तु की कीमत माँग तथा पूर्ति की शक्तियों द्वारा निर्धारित होती है।
- (iv) वस्तुओं का मूल्य समय तत्व से भी प्रभावित होता है।

24. विकेंद्रीकरण का अर्थ स्पष्ट करें ?

Ans → आधुनिक विश्व में, लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था को स्वीकृत मिलने के बाद, शासन के विभिन्न अंगों के बीच शक्ति के बँटवारे का प्रश्न महत्वपूर्ण रहा है। शक्ति के इसी बँटवारे को विकेंद्रीकरण के नाम से जाना जाता है।

25. द्वित सभूह तथा द्वाव सभूह में अंतर बताये ?

Ans → द्वित सभूह	द्वाव सभूह
(i) द्वित सभूह प्रत्यक्ष रूप से राजनीति से जुड़ा नहीं होता है।	(i) द्वाव सभूह का राजनीति से प्रत्यक्ष संबंध होता है।
(ii) द्वित सभूह अपने हितों की रक्षा के लिए प्रेरक साधनों का प्रयोग करता है।	(ii) द्वाव सभूह द्वाव का प्रयोग करता है।
(iii) द्वित सभूह का उद्देश्य सीमित होता है।	(iii) द्वाव सभूह का उद्देश्य व्यापक होता है।

26. आधुनिकीकरण के नकरात्मक प्रभाव बताइए ?

Ans - आधुनिकता के कुछ प्रमुख नकरात्मक प्रभाव निम्नलिखित हैं।

- (i) संयुक्त परिवारों का टूटना।
- (ii) बुजुर्गों के प्रति इनाम की भावना।
- (iii) नैतिकता का पतन।
- (iv) वास्तववाद का विकास।
- (v) भौतिकवाद तथा विलासिताप्रयत्न में वृद्धि।
- (vi) फैशन का अंधानुकरण।
- (vii) सामाजिक मूल्यों का हनन।

27. राज्य के प्रमुख तत्व कौन कौन हैं ?

Ans - राज्य के प्रमुख तत्व निम्नलिखित हैं।

- (i) जनसंख्या
- (ii) एक निश्चित भूभाग
- (iii) एक शासन तंत्र (सरकार)
- (iv) प्रभुसत्ता (संप्रभुता)